M.A. 1st Sem.

Sub- Psychology (Research Methodology)

Prof. (Dr.) Krishnanand.

Date - 05-04-2021

Q:- Define psychological research and explain the main stages of psychological research

मनोवैज्ञानिक शोध की व्याख्या करें या मनोवैज्ञानिक शोध की परिभाषा दें। मनोवैज्ञानिक शोध में निहित चरणों या अवस्थाओं का वर्णन करें।

Ans:—

मनोवैज्ञानिक शोध के चरण या अवस्थाएं

अन्य वैज्ञानिक शोधों के समान मनोवैज्ञानिक शोध भी एक लम्बी प्रक्रिया है। मनोवैज्ञानिक शोध में भी नए ज्ञान की खोज तथा प्राप्त पुराने ज्ञान की जाँच की जाती है। लक्ष्य प्राप्ति के लिए निश्चित क्रम में लम्बी प्रक्रिया से गुजरना होता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शोधार्थी को विभिन्न निश्चित चरणों या अवस्थाओं से गुजरना पड़ता है। राबिन्सन (Robinson, 1986) एवं अन्य मनोविज्ञानियों द्वारा मनोवैज्ञानिक शोध के लिए निम्नांकित चरण या अवस्थाएं निर्धारित की गई हैं—

(1) शोध समस्या (Research Problem)—

मनोवैज्ञानिक शोध की पहली अवस्था या चरण शोध विषय या समस्या का चयन निर्धारित किया गया है। शोध समस्या प्रश्नवाचक कथन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है जिसमें चरों के बीच आपस

M.A. 1st Sem.

Sub- Psychology (Research Methodology)

Prof. (Dr.) Krishnanand. Continue.

Date - 05-04-2021

संबंध की कल्पना की जाती है। शोध समस्या को करलिंगर (Kerlinger, 1986) महोदय द्वारा परिभाषित करते हुए कहा गया है कि " समस्या एक ऐसा प्रश्नवाचक कथन होता है जिसके द्वारा यह पूछा जाता है कि दो या दो से अधिक चरों के बीच किस ढंग का संबंध होता है।"

शोध समस्या निर्माण के लिए कई स्त्रोतों की सहायता ली जाती है। इनमें प्रमुख हैं, संबंधित विषय की पुस्तकें, पत्रिकाएं, इस क्षेत्र में किए गए शोधों का संक्षिप्त प्रकाशित लेखों के साथ-साथ क्षेत्र के विशेषज्ञ शिक्षकों। विशेषज्ञ शिक्षकों की राय का महत्वपूर्ण स्थान होता है।

माना कि शोधार्थी समस्या-समाधान व्यवहार (problem solving behaviour) के क्षेत्र में अध्ययन की इच्छा रखता है, तो इस संदर्भ में अब तक हुए अध्ययनों का अध्ययन कर उसकी समीक्षा करना चाहेगा। जब उसे यह पता चलता है कि अब तक इस विषय पर किए गए शोध कार्य अपर्याप्त है तो उसके द्वारा समस्या का निर्माण किया गया कि "समस्या-समाधान-व्यवहार पर अभिप्रेरणात्मक कारक के महत्व का क्या प्रभाव पड़ेगा?" या समस्या समाधान- व्यवहार पर अभिप्रेरणात्मक कारकों के प्रभाव का अध्ययन करना।

अब अध्ययन की दिशा निश्चित करने के लिए प्राक्कल्पना का निर्माण किया जाता है जैसे:—

M.A. 1st Sem.

Sub- Psychology (Research Methodology)

Prof. (Dr.) Krishnanand. Continue.

Date - 05-04-2021

② परिचय (Introduction)

परिचय शोध का एक महत्त्वपूर्ण चरण है। इसमें शोध-कर्ता शोध-समस्या के विभिन्न घटकों (Components) की व्याख्या का प्रयास करते हैं। समस्या से संबंधित घटकों के प्रकार, प्रभाव आदि का उल्लेख किया जाता है। अबतक समस्या से संबंधित विषय पर प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिकों के विचारों के संक्षिप्त उल्लेख के साथ-साथ अब तक इस क्षेत्र में हुए शोधों के सारांश का भी उचित उल्लेख किया जाता है।